मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

# उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 35 ■ रविवार, 13 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..


साउथ फिल्मों की दुनिया का काला चिट्ठा

# अब बदलापुर-कामोठे रेलवे लाइन

- रेलवे लाइन के लिए लोकेशन सर्वेक्षण को मंजूरी
- बदलापुर-वांगनी के बीच बनेगा कासगांव स्टेशन
- कासगांव से कामोठे तक बिछेगी नई लाइन

**बदलापुर.** रेलवे ने बदलापुर (कासगांव)-पनवेल (कामोठे) रेलवे लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है और रेलवे प्रशासन ने बताया है कि सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है।

मध्य रेलवे लाइन पर स्थित दो रेलवे स्टेशनों, बदलापुर और वांगनी के बीच लगभग 11 किमी की दूरी है। दो रेलवे स्टेशनों, अंबरनाथ और बदलापुर के बीच 8 किमी की दूरी है। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र की जनसंख्या तेजी से बढ़ी है। इसलिए इस क्षेत्र में बढ़ती आबादी को देखते हुए यहां नए रेलवे स्टेशन बनाने की मांग हो रही है। तदनुसार, बदलापुर-वांगणी के बीच कासगांव रेलवे स्टेशन के निर्माण और कासगांव कामोठे रेलवे शुरू करने की मांग की गई थी। इस पर संज्ञान लेते हुए रेल प्रशासन ने लोकेशन सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है।

यदि यह नई रेलवे लाइन बन जाती है तो बदलापुर और वांगनी के बीच एक नया रेलवे स्टेशन, कासगांव, अस्तित्व में आ जाएगा।

## बदलापुर से नवी मुंबई तक 20 मिनट में पहुंचना संभव

इससे रेलवे स्टेशन की कमी के कारण इस क्षेत्र के नागरिकों को होने वाली बड़ी असुविधा से बचा जा सकेगा। 18.5 किलोमीटर लंबी कासगांव-कामोठे रेलवे लाइन से नवी मुंबई तक सिर्फ 20 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। दूसरी ओर, मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर भी काम चल रहा है और मोरबे क ाम ेाठ`- जेएनपीटी सड़क को बदलापुर के पास जुवेली में जोड़ा जाएगा। इसलिए इस स ड़क के जरिए नवी मुंबई की दूरी भी कम हो जाएगी।

### लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित करने के संकेत...

ये सभी कारक लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए अनुकूल होंगे। इसके अलावा इस जमीन पर लॉजिस्टिक पार्क बनने के भी संकेत हैं, क्योंकि बदलापुर के पास पंचक्रोशी गांवों में करीब 400 एकड़ सरकारी जमीन उपलब्ध है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार और व्यवसाय के अवसर भी उपलब्ध होंगे। इसलिए, ये रेलवे लाइन यहां काम करने वालों और व्यापार करने वालों को भी लाभ पहुंचाएगी और विकास को गति देने में उपयोगी होगी।

# विधायक आयलानी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन

विधायक को सौंपा गया निवेदन पत्र

- प्रहार जनशक्ति पार्टी और राष्ट्र कल्याण पार्टी ने किया आंदोलन
- दिव्यांगों ने लिया आंदोलन में भाग
- आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त
- पुलिस का रहा तगड़ा बंदोबस्त

**उल्हासनगर.** प्रहार जनशक्ति पार्टी और राष्ट्र कल्याण पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रात में उल्हासनगर के भाजपा विधायक कुमार आयलानी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस बार दिव्यांगों ने भी इस आंदोलन में भाग लिया। भाजपा विधायक को मध्यस्थता कर आयुक्त से मिलकर दिव्यांगों को मिलने वाले भत्ते में वृद्धि करवाना चाहिए, तथा किसानों को उनकी कृषि उपज का उचित मूल्य दिलवाना चाहिए, तथा दिव्यांगों को उल्हासनगर शहर में दुकानें दिलवानी चाहिए।

इन सभी मांगों को लेकर यह विरोध प्रदर्शन किया गया। जैसे ही विधायक आयलानी को प्रदर्शन की जानकारी मिली, वे बाहर आए और प्रदर्शनकारियों से मिले। संबंधित मंत्रियों द्वारा यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि वे मांगों पर विचार करेंगे तथा उन पर चर्चा के लिए मनपा आयुक्त से मिलेंगे उसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

# अंबरनाथ में किणीकर के घर के बाहर आंदोलन

- किसानों के मुद्दे को लेकर आंदोलन

यूसुफ शेख

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ प्रहार संघटना ने किसानों की कर्जमाफी के मुद्दे को लेकर शुक्रवार की रात 12 बजे विधायक बालाजी किणीकर के घर के सामने मशाल जलाकर आंदोलन किया और नारेबाजी की. प्रहार के शहराध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में ये आंदोलन हुआ. विधायक किणीकर ने आंदोलनकारियों से भेंट नहीं की. इसलिए निवेदन की प्रति को गेट पर चिपकाया गया. किणीकर द्वारा आंदोलनकारियों से भेंट नहीं कर पर अध्यक्ष खान ने उन्हें एक बेजवाबदार विधायक बताते हुए कहा कि विधायक को पहले ही सूचित किया गया था कि शुक्रवार रात में आंदोलन करके निवेदन दिया जाएगा. खान ने कहा कि उन्होंने आंदोलन के समय विधायक किणीकर को कई बार फोन किया, लेकिन उनका मोबाइल स्विच आफ था. खान ने बताया कि विधानसभा चुनाव से समय शिवसेना-भाजपा के नेताओं ने किसानों से वादा किया था कि उनकी सत्ता अगर आई तो वह किसानों का कर्ज माफ कर देंगे, लेकिन इस सरकार को 100 दिन हो गए हैं. उन्होंने किसानों का कर्ज माफ नहीं किया है. ये याद दिलाने के लिए प्रहार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बच्चू कडू के आदेश पर ये आंदोलन किया गया है. कोई अनुचित प्रकार ना हो इसके लिए पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त रखा गया था.

# उबाठा व शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं में राडा

- पक्ष प्रवेश को लेकर किया हमला
- भुल्लर महाराज के करीबी हैं पांडे
- पुलिस में मामला दर्ज
- राजनीतिक माहौल गर्म

**उल्हासनगर.** शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के पदाधिकारियों ने शिवसेना शिंदे गुट के उल्हासनगर विभाग प्रमुख पर धारदार हथियारों से हमला किया है। हमले में घायल विभागाध्यक्ष का नाम प्रमोद पांडे बताया गया है जो भुल्लर महाराज के करीबी हैं। दो दिन पहले उद्धव ठाकरे गुट के कुछ कार्यकर्ता शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए। प्रमोद पांडे ने उद्धव ठाकरे गुट पर गुस्से में आकर उन पर हमला करने का आरोप लगाया है। जब प्रमोद पांडे अपने घर शहाड जा रहे थे, तभी गौतम शरणदौड़ ने धारदार हथियार से पांडे के सिर पर हमला कर दिया। गौतम ठाकरे गुट के पूर्व शाखा प्रमुख हैं। हमले में पांडे घायल हो गए और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया देर रात तक चल रही थी। इस बीच शिंदे और ठाकरे गुट के बीच टकराव के कारण शहर में राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

# मनपा आयुक्त मनिषा आव्हाले ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

## ठेकेदार और अधिकारियों को काम समय पर पूरा करने के निर्देश

**उल्हासनगर.** मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने वालधुनी नदी पर बन रहे पुल, नए अग्निशमन विभाग कार्यालय, स्मार्ट पार्किंग आदि विकास कार्यों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने निरीक्षण कर सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने उल्हासनगर रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाले वालधुनी नदी पर पुल निर्माण, पुल के दोनों ओर डिवाइडर पर पेंटिंग, मानसून से पहले वालधुनी नदी की सफाई, स्टेशन क्षेत्र में स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था, गणेश विसर्जन घाट, परिवहन बस डिपो के कामों का निरीक्षण किया और इसे समय सीमा के भीतर पूरा करने का आदेश दिया। यहां वाल्धुनी नदी के लिए सुरक्षा दीवार बनाने का काम भी चल रहा है। आयुक्त ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

कैंप नंबर 3 में एक नया अग्निशमन भवन बनाया गया है। भवन का निरीक्षण किया और नए अग्निशमन वाहन स्थापित किए जाने के संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। शहाड़ रेलवे स्टेशन पर पुल के नीचे खुले स्थान पर स्मार्ट पार्किंग बनाने तथा क्षेत्र का सौंदर्यीकरण करने के आदेश दिए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार सहित संबंधित अधिकारी, ठेकेदार आदि उपस्थित थे।

# अंबरनाथ में पंगुणी उध्रम तमिल त्यौहार पर रथयात्रा का आयोजन

- पूर्व उपनगराध्यक्ष अब्दुल शेख रहे उपस्थित

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ में तमिल समाज द्वारा पंगुणी उध्रम धार्मिक त्यौहार पर भव्य रथयात्रा का आयोजन शनिवार को निकाली गई. जिसमें भक्तों ने अपने मुंह में बड़ी सुई डालकर, पीठ में कई सुइयां लगाकर उसमें रस्सी बांध कर रथ को खींचा. इस रथ यात्रा में भक्तों को परेशानी ना हो इसके लिए पूर्व उपनगराध्यक्ष अब्दुल शेख के मार्गदर्शन में शिवमंदिर से यात्रा की शुरूआत करके गोविंद तीर्थ पुल हुतात्मा चौक से मटका चौक तक शरबत आइस्क्रीम कलिंगड़ का प्रबंध किया गया था. अब्दुल शेख ने स्वतः अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर आशीर्वाद लिया. इस यात्रा में स्वामी नगर शास्त्री नगर परिसर के सैकड़ों पुरुष, महिला, युवकों ने भाग लिया. अब्दुल शेख ने बताया कि हर वर्ष इस धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जाता है. उनकी सुविधा का प्रबंध उनकी एवं उनके कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है. यात्रा में राजन मामा, बोस्को, व्यंकटेश यलुमलाई आदि उपस्थित थे.

# डॉ. अंबेडकर जयंती से पहले पुलिस का रूट मार्च

**उल्हासनगर.** उल्हासनगर शहर में त्यौहारी सीजन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर, नागरिकों में विश्वास पैदा करने और अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए उल्हासनगर पुलिस बल ने शहर के प्रमुख हिस्सों में एक अनुशासित रूट मार्च का आयोजन किया।

उल्हासनगर जोन-4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली के नेतृत्व में हुए इस रूट मार्च में उल्हासनगर, सेंट्रल और विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशनों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक और सैकड़ों पुलिसकर्मी शामिल हुए। शहर के मुख्य मार्गों, चौराहों, बाजारों और व्यस्त इलाकों से होकर निकला यह रूट मार्च पूरे शहर का ध्यान अपनी ओर खींच रहा था। इस समय पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपने अनुशासित कार्यों के माध्यम से न केवल बल प्रयोग, बल्कि शांति एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपनी तत्परता का प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस का स्वागत करने के लिए नागरिक विभिन्न स्थानों पर सड़कों पर खड़े थे, जबकि कई लोगों ने अपने मोबाइल पर रूट मार्च की फुटेज कैद की और सोशल मीडिया पर इसकी प्रशंसा की।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने कहा, जयंती समारोह के दौरान शहर में कोई अप्रिय घटना न घटे, यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस बल पूरी तरह तैयार है तथा संभावित संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की गई है। सीसीटीवी, ड्रोन और सड़क यातायात के जरिए भी निगरानी रखी जाएगी। यह रूट मार्च सिर्फ सुरक्षा उपाय नहीं है, बल्कि शहर में सौहार्दपूर्ण माहौल बनाए रखने का एक सकारात्मक संदेश है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि शहर में कानून-व्यवस्था कायम रखी जा रही है और नागरिकों को निडर होकर त्योहार मनाना चाहिए।

# डॉ. अंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा का अनावरण

**उल्हासनगर.** सुभाष टेकड़ी के चौक पर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा स्थापित की गई है। इस प्रतिमा का अनावरण समारोह बौद्ध समुदाय के धार्मिक नेता भंते आनंद महाथेरो और विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की उपस्थिति में हुआ।

सुभाष टेकड़ी चौक पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की अर्धाकृति प्रतिमा थी। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा स्मारक समिति के पदाधिकारियों ने विधायक डॉ. बालाजी किणीकर से मांग की थी कि इस स्थान पर डॉ. बाबासाहेब की पूर्ण लंबाई वाली प्रतिमा स्थापित की जाए। शिवसेना के उपमहापौर संदीप डोंगरे ने भी किणीकर का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था।

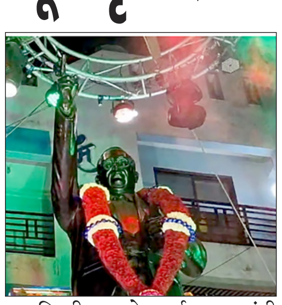

किणीकर ने पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से संपर्क किया तो 1 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई। प्रतिमा तैयार होने के बाद आयुक्त मनीषा आव्हाले के आदेश पर अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, मुख्यालय उपायुक्त विशाखा मोटघरे, कार्यकारी अभियंता संदीप जाधव और कनिष्ठ अभियंता हर्षद प्रधान ने प्रतिमा का निरीक्षण किया। प्रतिमा के आधार का डिजाइन वास्तुकार सारंग थोरात ने किया था।

प्रतिमा स्मारक समिति द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्णाकृति प्रतिमा के अनावरण की तिथि गुरुवार, 10 अप्रैल 2025 तय किए जाने के बाद, भंते आनंद महाथेरो द्वारा और विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की उपस्थिति में प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर शिवसेना के मुख्य पदाधिकारी, अंबेडकर आंदोलन के सर्वदलीय पदाधिकारी, प्रतिमा स्मारक समिति के पूर्व पदाधिकारी, मनपा के सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी आदि सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। सहायक निदेशक शहरी नियोजन ललित खोब्रागड़े ने भी दौरा किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवाल ने कड़ी पुलिस सुरक्षा तैनात की थी।

# अंबरनाथ में हनुमान जयंती पर प्राण प्रतिष्ठा व सत्कार समारोह

- अंबरनाथ के 3 होनहारों का सम्मान

**अंबरनाथ.** अंबरनाथ के जांभिवली गांव में सदा मामा पाटिल प्रतिष्ठान और ग्रामीणों की ओर से कुश्ती में प्रथम आने वाली वैष्णवी पाटिल, न्यायाधीश निशांत फडतरे और हाल ही में पायलट बने जतिन उमेश पाटिल का सत्कार विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, राकांपा शहराध्यक्ष एवं सदामामा प्रतिष्ठान के संस्थापक सदाशिव पाटिल के हाथों सत्कार किया गया. कुश्ती में स्वर्ण पदक विजेता वैष्णवी पाटिल को 51 हजार रुपयों का चेक भी दिया गया. पवन पुत्र हनुमान जयंती के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. जांभिवली गांव में श्री गणेश एवं हनुमान मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था. सदाशिव पाटिल ने बताया कि श्रीगणेश एवं हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर 3 दिन से धार्मिक कार्यक्रम चल रहे है। आज आखिरी दिन प्रतिष्ठान एवं ग्रामीणों की ओर से शहर का नाम ऊंचा करने वाले तीन लोगों का सत्कार किया गया है. इस कार्यक्रम में विधायक किणीकर, कीर्तनकार गणेश महाराज, विश्वनाथ वारिंगे महाराज, पूनम शेलार, उगले महाराज आदि उपस्थित थे. पूर्व नगरसेवक सचिन पाटिल ने प्राण प्रतिष्ठा एवं सत्कार कार्यक्रम में मुख्य भूमिका रही.

# गावठी पिस्तौल लेकर घूम रहा 'बिंदास म्हात्रे' अरेस्ट

- 62 हजार रुपये के हथियार जब्त

**कल्याण.** कल्याण क्राइम ब्रांच, यूनिट 3 की टीम ने पिस्तौल लेकर घूम रहे 'बिंदास म्हात्रे' (उम्र 36) को गिरफ्तार किया है। उसे कल्याण के कोलसेवाड़ी इलाके से गिरफ्तार किया गया और उसके आवास की तलाशी ली गई, तो पुलिस ने एक देशी पिस्तौल, एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और एक कारतूस का खोखा जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 62 हजार रुपये है।

कल्याण क्राइम ब्रांच, यूनिट 3 में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल मिथुन राठौड़ को सूचना मिली थी कि कल्याण कोलशेवाडी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नेतिवली चक्की नाका क्षेत्र में रहने वाला एक व्यक्ति बिना लाइसेंस के एक ग्रामीण पिस्तौल और कारतूस लेकर घूम रहा है। तदनुसार, पुलिस ने अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजीत शिंदे के मार्गदर्शन में जाल बिछाया और बिंदास म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब उसके घर की तलाशी ली तो उसके पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन, दो जिंदा कारतूस और एक खाली कारतूस का खोखा बरामद हुआ.

# उल्हासनगर में कामगार अस्पताल का काम 90% पूरा

- लाखों कामगारों की सेवा के लिए जल्द ही खुलेगा अस्पताल

**उल्हासनगर.** ठाणे जिले के लाखों कामगारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 102 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे सुपर स्पेशियलिटी कामगार अस्पताल का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। अस्पताल का काम 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है और सांसद श्रीकांत शिंदे का सपना साकार होने वाला है।

कामगार अस्पताल उल्हासनगर कैंप 3 में सरकारी सेंट्रल अस्पताल के बगल में स्थित है। यह कामगार अस्पताल 1971 से डोंबिवली, कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ, भिवंडी और बदलापुर के औद्योगिक क्षेत्रों और छोटी-बड़ी फैक्ट्रियों के लगभग 3 लाख श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहा है। 2015 में आईआईटी मुंबई ने एक रिपोर्ट पेश की थी जिसमें कहा गया था कि अस्पताल की इमारत खतरनाक है। तत्कालीन सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने जर्जर, खतरनाक इमारत के स्थान पर नया सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाने के लिए केंद्र से लगातार प्रयास किया था और अस्पताल के लिए 102 करोड़ रुपये की मंजूरी भी हासिल की थी।

2019 में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे द्वारा नए भवन के निर्माण की आधारशिला रखी गई थी। उस समय अस्पताल में काम कर रहे कर्मचारियों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता थी। ईएसआईसी ने अस्पताल के लिए एक नया स्थान चिन्हित किया और चार वर्ष पूर्व इसे पवई स्थित शिव सदन भवन में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद, पुरानी इमारत को तुरंत ध्वस्त कर दिया गया और ईएसआईसी द्वारा नियुक्त एक ठेकेदार के माध्यम से श्रमिकों के अस्पताल के लिए दो मंजिला इमारत का निर्माण, साथ ही आवासीय भवनों का निर्माण शुरू हुआ।

### 115 बेड का सुसज्जित अस्पताल

इस श्रमिक अस्पताल में विभिन्न वार्डों में कुल 115 बिस्तर होंगे। इसमें 10 आईसीयू, 96 सामान्य और 6 आपातकालीन बेड होंगे। यह अस्पताल पूर्णत: वातानुकूलित है तथा इसमें एयर कंडीशनिंग प्रणाली भी स्थापित है। यह फिजियोथेरेपी, आपातकालीन ट्राम वार्ड, रेडियोलॉजी विभाग, आईसीयू, एनआईसीयू, अल्ट्रासाउंड आदि सुविधाओं से सुसज्जित है।

### डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए आवास

अस्पताल में कार्यरत पूर्णकालिक डॉक्टरों और कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था की गई है। टाइप 3 में 16 फ्लैट विकसित किये गये हैं। ये फ्लैट श्रेणी 3 के कर्मचारियों के लिए आरक्षित हैं। टाइप 4 में 14 फ्लैट हैं, जो क्लास 2 डॉक्टरों के लिए आरक्षित हैं। जिला सर्जन स्तर के अधिकारियों के लिए दो फ्लैट आरक्षित किये गये हैं।

100 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के लिए 2 लाख वर्ग फीट की दो मंजिला इमारत का निर्माण पूरा हो चुका है। इसमें से लगभग 1 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र अस्पताल का है। इसके लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता किशन अवतार मीना के मार्गदर्शन में सहायक अभियंता रंजीत बोटे, परियोजना प्रबंधक संजीव गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता रोहित कुमार और निर्माण प्रबंधक समीर पाटिल की टीम ने तीन साल में अस्पताल के काम को अंतिम चरण तक पहुंचाया है।

भवन के भूतल एवं आसपास के क्षेत्र में आपातकालीन विभाग, ओपीडी, स्वागत कक्ष, दवा दुकान, जनरेटर कक्ष, विद्युत कक्ष, शव परीक्षण केंद्र एवं मलजल उपचार केंद्र का कार्य पूर्ण किया जा रहा है। प्रथम तल पर तीन सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर, एक डॉक्टर की ओपीडी तथा मरीजों के रिश्तेदारों के लिए एक प्रतीक्षा कक्ष बनाया गया है। दूसरी मंजिल पर विभिन्न रोगी वार्ड हैं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — संपादकीय

## वाराणसी गैंगरेप ने हिलाया देश

वाराणसी में सामूहिक बलात्कार की दहला देने वाली घटना बेलगाम अपराध के बरक्स कानून के शासन की लाचारगी को रेखांकित करती है। वरना जिस राज्य में लगभग हर रोज सरकार अपराध और अपराधियों के खत्म होने का दावा करती रहती है, वहां आए दिन अपराधों की प्रकृति और ज्यादा विकृत और बेलगाम क्यों होती जा रही है? यह कल्पना भी बेहद तकलीफदेह है कि जिस उत्तर प्रदेश को सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक बताया जाता रहा है, वहां भी महिलाएं खुद को जोखिम में पा रही हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में वाराणसी में एक युवती से तेईस युवकों ने सात दिनों तक सामूहिक बलात्कार किया। युवती को नशीला पदार्थ खिला कर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। इस घटना के बाद स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं कि अगर सबसे चौकस कानून-व्यवस्था के दावे वाले क्षेत्र में आपराधिक तत्त्व इस कदर बेलगाम हैं, तो महिलाएं कहां और कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करें।

सवाल है कि अगर राज्य सरकार यह दावा करती है कि उसके अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने से आपराधिक मानसिकता वाले लोग अब कोई अपराध करने से डरते हैं तो करीब एक हफ्ते तक तेईस आरोपी एक युवती से लगातार बलात्कार जैसी वारदात को कैसे अंजाम देते रहे। किन वजहों से उनके भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था? इस घटना की गंभीरता के मद्देनजर ही खुद प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से वारदात में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मगर सवाल है कि ऐसी नौबत क्यों आई कि एक जघन्य अपराध के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री को कहना पड़े! राज्य की पुलिस व्यवस्था को खुद ही न केवल दोषियों को सजा दिलाने के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए, बल्कि समूचे राज्य में वास्तव में ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि आपराधिक मानसिकता वाले लोग कोई भी अपराध करने से डरें। अपराधियों के खिलाफ सख्ती के समांतर ज्यादा जरूरी यह भी है कि ऐसा माहौल बनाया जाए, जिसमें अपराध को होने से पहले रोका जा सके और महिलाएं कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस करें।

# असंभव को संभव बनाते मोदी, रफ्तार पकड़ रही सरकार

जब 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिला, तब उसका नारा थाः 'मोदी है तो मुमकिन है।' राजनीति में नारे माहौल बनाने के लिए दिए जाते हैं। उनका वास्तविकता से ज्यादा लेनादेना नहीं होता, लेकिन मोदी इस नारे को सही साबित करते दिख रहे हैं। ताजा उदाहरण वक्फ संशोधन विधेयक है, जो अब कानून बन चुका है।

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के 240 सीटों पर सिमटने और बहुमत के लिए टीडीपी, जदयू, लोजपा और राष्ट्रीय लोकदल जैसे सहयोगियों पर निर्भरता के चलते विपक्ष मोदी सरकार को बैसाखियों पर टिकी बताने लगा था, लेकिन साल भर के अंदर ही वक्फ जैसे राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील विषय पर संशोधन विधेयक पारित कराकर मोदी ने संदेश दे दिया कि सीमाओं के बावजूद अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना उन्हें बखूबी आता है। वक्फ विधेयक को जब टीडीपी के आग्रह पर जेपीसी को भेजा गया था, तब उसे भी विपक्ष ने अपनी जीत और सरकार का यू टर्न बताने की कोशिश की थी, लेकिन आखिरकार बाजी पलट गई। जेपीसी के जरिए मोदी सरकार को वक्फ विधेयक पर जल्दबाजी और मनमानी के विपक्षी आरोपों को खारिज करने का मौका ही मिला।

बेशक 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद भी मोदी सरकार ने तीन तलाक एवं अनुच्छेद 370 की समाप्ति तथा सीएए लागू कर अपना एजेंडा साफ कर दिया था, लेकिन तब वह लोकसभा में अपनी सीटें 282 से बढ़कर 303 हो जाने के आत्मविश्वास से लबरेज थी,

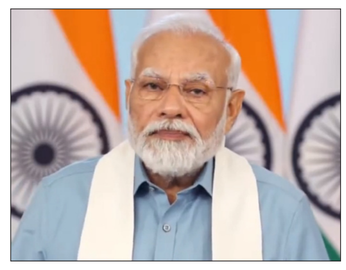

जबकि वक्फ कानून में संशोधन ऐसे सहयोगी दलों पर बहुमत के लिए निर्भरता के बावजूद किया गया, जिनके जनाधार में अल्पसंख्यक महत्वपूर्ण रहे हैं। इसलिए इसका राजनीतिक संदेश ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस संदेश के भी दो हिस्से हैंः पहला, बहुमत-अल्पमत से इतर मोदी सरकार की वैचारिक प्रतिबद्धता। दूसरा, सहयोगी दलों को साधने की कला।

2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने से बहुत पहले 1996, 1998 और 1999 में भी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ हो चुकी थी। बहुमत न जुटा पाने के चलते पहली सरकार मात्र 13 दिन चल पाई तो दूसरी 13 महीने। वाजपेयी सरकार ने परमाणु परीक्षण से लेकर प्रशासनिक एवं आर्थिक सुधार के कई दूरगामी महत्व के कदम उठाए, मगर बहुमत के लिए दूसरे दलों पर निर्भरता के चलते वैचारिक पहचान से जुड़े राम मंदिर, अनु. 370 और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे ठंडे बस्ते में डाले। जनसंघ काल से जो मुद्दे वैचारिक स्पष्टता और दृढ़ता की पहचान बने रहे, सत्ता की खातिर उन्हें ही किनारे करने पर भाजपा की आलोचना भी हुई, मगर न सिर्फ पार्टी, बल्कि उसके मातृ संगठन आरएसएस ने भी विस्तार के लिए राजनीतिक स्वीकार्यता और सत्ता के महत्व को समझा।

मोदी लहर में 2014 में भाजपा अकेले दम पर बहुमत से भी 10 ज्यादा 282 सीटें जीत गई, लेकिन उसने राजग सरकार बनाने की रणनीतिक समझदारी दिखाई। पहले कार्यकाल में मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी के अलावा कोई ऐसा फैसला नहीं लिया, जिससे सहयोगी दल असहज होते। संघ और भाजपा के एजेंडे पर मोदी सरकार ने रफ्तार लगातार दूसरी बार बहुमत मिलने के बाद 2019 में पकड़ी। इस दौरान भी मोदी सरकार ने राज्यसभा में बहुमत के लिए जरूरी बीजद और वाइएसआरसीपी जैसे अन्य क्षेत्रीय दलों से मित्रवत संबंध बनाए रखे।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से प्रशस्त हुआ, पर अपने दूसरे कार्यकाल में तीन तलाक एवं अनुच्छेद 370 की समाप्ति तथा सीएए जैसे ऐतिहासिक फैसलों की राह मोदी सरकार की रणनीतिक समझदारी से ही आसान हुई। मोदी सरकार सहयोगी दलों का मन भांपते हुए कदम दर कदम बढ़ी। इसके बावजूद उसे कुछ सहयोगी दलों का साथ गंवाना पड़ा। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद की रार में पुराने विश्वस्त मित्र दल शिवसेना का साथ छूटा तो विवादास्पद कृषि कानूनों के चलते शिरोमणि अकाली दल का। महाराष्ट्र में तो शिवसेना और राकांपा के विभाजित धड़ों के साथ महायुति बनाकर भाजपा ने सत्ता में वापसी कर ली, लेकिन पंजाब लगातार उसकी पहुंच से बाहर बना हुआ है।


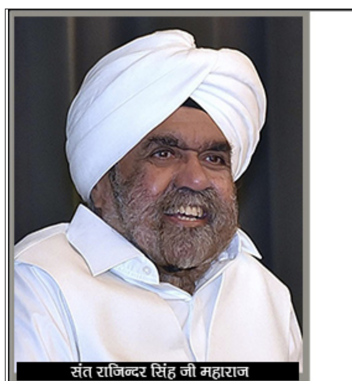
संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आत्मा निर्भय है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक


# आखिर कठघरे में आया तहव्वुर राणा

पिछले महीने जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई आतंकी हमले के एक अहम आरोपी तहव्वुर राणा की भारत को प्रत्यर्पित करने के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया था, तभी यह साफ हो गया था कि उसे भारत लाने के दिन अब करीब आ गए हैं। हालांकि उसके अपराधों की गंभीरता के मद्देनजर यह पहले भी स्पष्ट था कि उसके लिए राहत की कोई सूरत नहीं बनने जा रही है। मगर अब गुरुवार को आखिरकार उसे भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया और इसी के साथ मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों और अन्य पीड़ितों के परिजनों के लिए इंसाफ की एक और उम्मीद मजबूत हुई है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कराने के लिए भारत की ओर से काफी समय से लगातार कोशिशें जारी थीं और उसमें निरंतरता का ही यह नतीजा है कि इस दिशा में एक बड़ी कामयाबी मिली। जाहिर है, अब भारतीय कानूनों के तहत राणा को न्याय के कठघरे में खड़ा होना पड़ेगा, जिससे बचने के लिए उसने अमेरिका में अपने सभी दांव आजमा लिए थे।

गौरतलब है कि लश्कर-ए-तैयबा की योजना के मुताबिक जिस गिरोह ने मुंबई में बड़े पैमाने पर एक साथ आतंकी हमला किया था और उसमें एक सौ चौंसठ लोग मारे गए थे, तहव्वुर राणा ने उसमें मुख्य साजिशकर्ता की भूमिका निभाई थी। लेकिन तब उसे पकड़ा नहीं जा सका। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा उसके बाद भी अपने आतंकी साथी डेविड कोलमैन हेडली के साथ अन्य देशों में आतंकी हमले करने की योजना में सक्रिय रहा।

उत्तर प्रदेश पुलिस के रवैये पर सर्वोच्च न्यायालय का सख्त रुख

मगर डेनमार्क में हमले की योजना को अंजाम देने के पहले ही जब वह अमेरिकी एजंसियों की पकड़ में आया, तब जाकर उसकी आतंकी करतूतों का रास्ता रुका। वरना यह कहना मुश्किल है कि मुंबई में आतंकी हमलों की तरह वह और कितने आम लोगों की जान लेने का सूत्रधार बनता। पकड़ में आने के बाद अमेरिका में वर्ष 2013 में उसे डेविड कोलमैन हेडली के साथ मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम देने और डेनमार्क में इसी तरह का बड़ा हमला करने की योजना बनाने का दोषी करार दिया गया। तब वहां की अदालत ने राणा को चौदह वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। मगर जब भारत की ओर से अपने कानूनों के तहत कठघरे में खड़ा करने के लिए उसके प्रत्यर्पण की कोशिशें चल रही थीं, तब उसने इसे रोकने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया था। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संबंध में कहा था कि मुंबई आतंकी हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित कर दिया जाएगा। मगर यह जिस स्तर का संवेदनशील मामला था, उसमें कई बार आखिरी समय में अड़चन खड़ी होने की आशंका बनी रहती है। शायद इसीलिए राणा को भारत लाने में कामयाबी को केंद्रीय एजंसियों के सबसे महत्त्वपूर्ण प्रत्यर्पण और भारत की एक अहम कूटनीतिक जीत के तौर पर देखा जा रहा है। मगर यह भी सच है कि इसके लिए भारतीय खुफिया एजंसियों को करीब डेढ़ दशक तक लगातार प्रयास करना पड़ा। इस मसले पर पाकिस्तान ने भले ही तहव्वुर राणा के पिछले दो दशकों से कनाडाई नागरिक होने का हवाला देकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की है, इसके बावजूद अब यह उम्मीद की जा सकती है कि मुंबई हमलों में पाकिस्तान स्थित ठिकानों से काम करने वाले आतंकी संगठनों और उनसे जुड़े आतंकवादियों की भूमिका कुछ और साफ होकर उभरेगी।

# ठंडे पानी की मछली की स्पीड से साइंटिस्ट परेशान

**जरा हट के**

एक रिसर्च में वैज्ञानिकों अजीब नतीजे मिले है. उन्होंने कुछ ठंडे पानी की मछलियों की रफ्तार की पड़ताल की. उन्होंने पाया की कुछ सैल्मन मछलियों के तैरने की रफ्तार तेज हो गई है. इसका जब उन्होंने कारण जानने के लिए और खोजबीन की तो उन्होंने पाया कि एक दवा की वजह से ऐसा हो रहा है. दवा की जानकारी ने उनके होश उड़ा दिए क्योंकि मछलियों में दर्द निवारक दवाओं के ट्रेसेस थे. समुद्र में डम्पिंग की जा रही दर्द निवारक दवाओं के अंश उनके अंदर पहुंचे जिनका असर ऐसा हुआ कि उनकी रफ्तार तेज हो गई. लेकिन वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अध्ययन के नतीजे से किसी को उत्साहित होने का जरूरत नहीं है.

स्विडिश यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेस की अगुआई में अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं ने किया था वे

पड़ताल कर रहे थे कि कैसे फार्मा उत्पादों का प्रदूषण अंटलांटिक महासागर में पाई जाने वाली सैल्मन मछलियों के बर्ताव और विस्थापन पर पड़ता है. साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के ये नतीजे देखने में भले ही उत्साह बढ़ाने वाले हो, लेकिन वेज्ञानिकों का साफ कहना है कि यह सब बुरे प्रभावों का ही संकेत है.

ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय के ऑस्ट्रेलियाई रिवर्स इंस्टीट्यूट के डॉ. मार्कस माइकल एंजेली ने दुनिया भर में वन्यजीवों और इकोसिस्टम के लिए दवा प्रदूषण के बढ़ते खतरे पर जोर दिया. उन्होंने बताया दुनिया भर के जलमार्गों में अब तक 900 से अधिक विभिन्न पदार्थों का पता लगाया जा चुका है. नियंत्रित हालात में किए प्रयोग चाहे जो भी नतीजे दिखाए हैं. असल दुनिया में ये बड़े खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं.

हैरानी की बात ये है कि दवाओं के असर से सैल्मन मछलियों की तैरने की रफ्तार में इजाफा हुआ है. वहीं दवाएं दूसरे जानवरों में नींद का असर देने के लिए जानी जाती हैं. शोधकर्ताओं का कहना है कि अवसाद दबाने वाली दर्द खत्म करने वाली दवाएं जानवरों के दिमाग के कामों और बर्ताव से काफी छेड़छाड़ करने वाली साबित हो रही हैं.

# मसाला खिचड़ी

खाना-खजाना

**सामग्री :**

- बासमती चावल- 1 कप
- मूंग दाल (या तुअर दाल)- 1/2 कप
- प्याज- 1 (बारीक कटा हुआ)
- टमाटर- 1 (बारीक कटा हुआ)
- आलू- 1 (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ)
- गाजर- 1 (कटी हुई)
- मटर- 1/2 कप (फ्रोजन या ताजी)
- हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी हुई)
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- जीरा- 1/2 चम्मच
- हींग- एक चुटकी
- घी या तेल- 2 टेबलस्पून
- पानी- लगभग 4 कप
- हरा धनिया- गार्निश के लिए

**विधि :**

चावल और दाल को धोकर 15-20 मिनट के लिए भिगो दें। अब कुकर में घी या तेल गर्म करें। इसमें जीरा और हींग डालें। अब अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड के लिए भूनें।

फिर कटे हुए प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भून लें। अब टमाटर, आलू, गाजर और मटर डालें। हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। सभी चीजों को अच्छी तरह से दो से तीन मिनट तक पकने दें। भीगे हुए चावल और दाल को डालें, फिर सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। अब लगभग 4 कप पानी डालें और कुकर का ढक्कन बंद कर दें।

मध्यम आंच पर 2 सीटी आने तक पकाएं, फिर गैस बंद कर दें। कुकर का प्रेशर निकलने के बाद ढक्कन खोलें, ऊपर से हरा धनिया डालें। मसाला खिचड़ी को घी, पापड़, अचार या दही के साथ गरमागरम परोसें। अगर आप चाहें तो इसमें लौकी, बीन्स या शिमला मिर्च जैसी और सब्जियां भी डाल सकते हैं।

# क्या आपके शरीर में प्रोटीन की भारी कमी हो गई

**5 संकेतों से समझ जाइए**

**बड़ी आफत आने से पहले कर लें ये उपाय**

चाहे मसल्स बनाना हो, एंजाइम या हार्मोन बनाना हो, हर चीज में प्रोटीन की जरूरत होती है. प्रोटीन हमारे शरीर के कतरे-कतरे में मौजूद है. प्रोटीन के बिना हम जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते. प्रोटीन ही हीमोग्लोबिन बनाता है जो अंग-अंग में ऑक्सीजन को पहुंचाता है. प्रोटीन शरीर के कई जरूरी केमिकल रिएक्शन में भाग लेता है. नाखून से लेकर बाल तक में प्रोटीन रहता है. हमारे शरीर में 10 हजार तरह के प्रोटीन मौजूद रहते हैं .इसी से समझा जा सकता है कि अगर शरीर में प्रोटीन की कमी हो जाए तो इसका हमारी जिंदगी पर क्या असर हो सकता है. हमे हर दिन 50 से 60 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है. अगर इसमें कमी हो जाए तो हमें कई बीमारियों से जूझना पड़ता है .इसमें क्या-क्या संकेत दिखते हैं, आइए इसके बारे में जानते हैं.

## प्रोटीन की कमी के लक्षण

**1. मूड सही नहीं रहना-** वेबएमडी की खबर के मुताबिक अगर आपका मूड हमेशा खराब रहता है. मूड में चिड़चिड़ापन, खींझ रहती है और यह लगातार बनी हुई है तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी डेंजरस लेवल पर पहुंच गया है. हमारे शरीर में हजारों किलोमीटर का न्यूरोट्रांसमीटर नसों में मौजूद रहते हैं जो दिमाग से संदेशों को शरीर तक और शरीर से दिमाग तक पहुंचाता है. इसके बिना हम कुछ सोच भी नहीं सकते. ये न्यूरोट्रांसमीटर प्रोटीन के बने होते हैं. अगर प्रोटीन की ज्यादा कमी हो जाए तो यही कारण है इशसके मूड में बदलाव हो जाएगा, चिड़चिड़ापन आ जाएगा. इस कारण दिमाग में डोपामाइन और सेरोटोनिन हार्मोन भी कम बनेगा. ये दोनों हार्मोन खुशी देते हैं.

**2. अंग-अंग में सूजन-** जब शरीर में प्रोटीन की ज्यादा कमी हो जाएगी किडनी भी सही से काम नहीं करेगा और खून में पानी की मात्रा बढ़ने लगेगी. इससे शरीर के विभिन्न अंगों में सूजन या फूला हुआ दिखने लगेगा. हालांकि शरीर में सूजन के और कई कारण हो सकते हैं लेकिन प्रोटीन की कमी इसका बहुत बड़ा कारण है. इसमें पेट, पैर, पंजे या हाथों में सूजन होने लगती है. इस बीमारी को इडेमा कहते हैं.

**3. बाल-नाखूनों का कमजोर होना-** यदि आपके बाल बहुत झड़ रहे हैं, नाखून बहुत बेकार और कमजोर हो गए हैं तो इसका मतलब है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी हो गई है. नाखून, बालों में इल्साटिन, कोलेजन और कीरेटीन जैसे कंपाउड होते हैं जो सब प्रोटीन है. यानी प्रोटीन की कमी से बाल गिरने लगेंगे, नाखून टूटने लगेंगे और बीच से फटने लगेंगे, स्किन डल होने लगेगी.

**4. कमजोरी और थकान-** प्रोटीन की कमी से आप हमेशा थकान महसूस करेंगे. किसी काम को करने में आलस होगी. ऐसा कई दिनों तक होने से आपमें कमजोरी बहुत हो जाएगी. बुजुर्गों में अगर प्रोटीन की कमी हो जाए तो इससे उन्हें चलने तक में दिक्कत हो जाती है. आपके मसल्स कमजोर होने लगेंगे.

**5. खून की कमी-** चूंकि हीमोग्लोबिन प्रोटीन ही होता है. इसलिए जब प्रोटीन की कमी हो जाएगी तो खून में हीमोग्लोबिन कम बनेंगे जिससे आपको खून की कमी हो जाएगी. इसे एनीमिया की बीमारी कहते हैं. इससे सांस लेने में भी तकलीफ होगी. मेटाबोलिज्म कमजोर हो जाएगा जिससे पेट के पाचन पर असर पड़ेगा.

## प्रोटीन की कमी के लिए क्या करें

अगर प्रोटीन की कमी बहुत ज्यादा हो गई है तो तुरंत डॉक्टर से दिखाएं. प्रोटीन सप्लीमेंट का कुछ दिन तक सेवन करने की सलाह देंगे. इसके बाद आपको डाइट में प्रोटीन वाले फूड को शामिल करना होगा. इसमें मांस, मछली, अंडा, हरी सब्जियां आदि को शामिल करना होगा. डेयरी प्रोडक्ट में भी प्रोटीन भरपूर होता है. वहीं सीड्स, ड्राई फ्रूट्स आदि में भी प्रोटीन होती है. बेजिटेरियन लोगों के लिए दाल सबसे बड़ा स्रोत है. एक दिन में कम से कम दो कटोरा दाल खाएंगे तो कुछ दिन में प्रोटीन की कमी कम होने लगेगी.

## आज का राशिफल

**मेष :** आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें।

**वृषभ :** कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें।

**मिथुन :** भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

**कर्क :** रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी।

**सिंह :** बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

**कन्या :** सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

**तुला :** पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रमाद न करें।

**वृश्चिक :** जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**धनु :** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

**मकर :** डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा। कानूनी समस्या हो सकती है।

**कुंभ :** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें।

**मीन :** कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# अंगूर से बनाइए टेस्टी जैम

## बच्चे भी खाएंगे खुश होकर, नोट कर लें रेसिपी

अंगूर का मौसम आ चुका है. बाजार में इन दिनों इस फल की भरमार है. ये जितना टेस्टी होता है, उतना ही शरीर के लिए भी लाभदायक होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं, अंगूर से जेम भी बनाया जाता है. जो खाने में बहुत ही टेस्टी होता है. इसे बच्चे भी बड़े खुश होकर खाते हैं. तो आइए जानते हैं, अंगूर से जेम बनाने की रेसिपी.

**सामग्रीः**

- हरे या काले अंगूर – 500 ग्राम
- चीनी – 250 ग्राम (स्वादानुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं)
- नींबू का रस – 1 छोटा चम्मच
- इलायची पाउडर (वैकल्पिक) – 1/4 छोटा चम्मच

**बनाने की विधिः**

**अंगर की तैयारीः** सबसे पहले अंगूरों को अच्छे से धो लें. बीज रहित अंगूर इस्तेमाल करें, या फिर बीज निकाल दें. अंगूरों को मिक्सर में हल्का सा दरदरा पीस लें.

**पकाना :** एक मोटे तले की कढ़ाई या पैन में पिसे हुए अंगूर डालें. मध्यम आंच पर पकाएं, जब तक कि उसका पानी थोड़ा सूखने लगे. अब इसमें चीनी डालें और अच्छी तरह मिलाएं.

**जैम बनना शुरू होगाः**

अब मिश्रण गाढ़ा होने लगेगा और जैमी टेक्सचर लेने लगेगा. बीच-बीच में चलाते रहें ताकि मिश्रण तले में न लगे. जब मिश्रण चम्मच से गिराने पर थिक ड्रॉप्स में गिरे और फैल न रहा हो, तो समझिए जैम तैयार है. गैस बंद करें और इसमें नींबू का रस डालें, जिससे आपका जैम लंबे समय तक चलेगा. इलायची पाउडर डालना चाहें तो डालें इससे खुशबू और स्वाद दोनों बढ़ते हैं. जैम को ठंडा करें और फिर साफ, सूखे जार में भर लें.

**स्टोरेज टिप्सः**

हमेशा सूखे चम्मच का ही इस्तेमाल करें. वरना जैम जल्दी खराब हो सकता है. फ्रिज में रखें जिससे 2–3 हफ्तों तक आराम से चलेगा.

# सोने के कंगन चमकाने की ट्रिक

सोने से तैयार कंगनों को साफ करने के लिए ज्वेलर के पास जाना पड़ता है. हालांकि इन घरेलू ट्रिक से आसानी से कंगनों को साफ किया जा सकता है. इन ट्रिक से चुटकियों में मैले कंगन चमकने लगेंगे और बिलकुल नये जैसे दिखेंगे. इस काम में ज्यादा मेहनत भी नहीं है. गोल्ड से तैयार कंगन की सफाई के लिए कई बार महिलाएं परेशान हो जाती हैं. गंदे कंगनों की सफाई के लिए ज्वेलरी की दुकानों पर भागना पड़ता है लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसी ट्रिक बता रहे हैं जिससे आप घर पर आसानी से अपने कंगन को चमका सकती हैं.

आधा कप पानी में आधा कप सिरका मिला दें. फिर इसमें कंगनों को 15 से 20 मिनट के भिगो दें. उसके बाद हल्के ब्रश से धीरे धीरे इनको साफ करें. फिर साफ पानी में धोकर बाहर निकल लें. आपके कंगन पहले की तरह चमकने लगेंगे.

डार्क दिखाई देने वाले सोने के कंगन को चमकाने के लिए एक कटोरी में आधा कप विनेगर और दो चम्मच सोडा मिला लें. इसमें सोने के कंगन को दो से तीन घंटे के लिए डुबाएं. फिर इसे ठंडे पानी से धो लें और मुलायम कपड़े से पोंछ कर सुखा लें.

कंगनों को साफ करने के लिए सबसे पहले टूथपेस्ट से एक या दो चम्मच पानी का पतला घोल तैयार कर लें. फिर कपड़े या पुराने ब्रश की मदद से गहनों पर जमे मैल की सफाई करें. उसके बाद गहनों को साफ पानी में अच्छे से धो लें.

एक कप पानी में कुछ बूंदे अमोनिया की मिलाएं और फिर इस मिश्रण में कंगन को भिगोने के लिए डाल दें. कुछ मिनट के बाद कंगन को बाहर निकालें और साफ पानी से धो लें. इसके बाद साफ कपड़े से पोंछ ले. कंगन पहले की तरह चमकने लगेंगे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

## खबरें गांव की...

### छत से धक्का दिया फिर खेत में दफनाया शव, अवैध संबंध का विरोध करने पर बीवी की हत्या

**मथुरा.** यूपी के मथुरा से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने शराब के नशे में बीवी से लड़ाई करने के बाद उसकी हत्या कर दी। फिर उसका शव एक खेत में दफना दिया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर शव बरामद कर लिया। शनिवार को पुलिस ने ये जानकारी दी। ये घटना जमुनापार थाना क्षेत्र के सुखदेवपुर गांव का है। पुलिस ने बताया कि मामला तब सामने आया जब आरोपी के भाई ने पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया। पुलिस के मुताबिक घटना बृहस्पतिवार रात को हुई। आरोपी विजय पेशे से राज मिस्त्री है और उसने पर शराब के नशे में विवाद के बाद अपनी 30 साल की पत्नी रेखा को छत से धक्का दे दिया।

### सनकी पति का तांडव: पत्नी पर गंड़ासे से वार, मासूम को गला घोंट कर मार डाला

**अयोध्या.** अयोध्या के नगर कोतवाली क्षेत्र में डबल मर्डर से सनसनी फैल गई है। यहां एक सनकी पति ने जमकर तांडव मचाया। बछड़ा सुलतानपुर स्थित शिवपुरी कॉलोनी क्षेत्र में उसने अपनी पत्नी और छोटे बच्चे की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद मौके से फरार हो गया है। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अब आरोपी की तलाश में जुटी है। इसके साथ विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाकर मौके से साक्ष्य संकलन कराया गया है। महिला के गले और सिर पर धारदार हथियार के वार के निशान मिले हैं, जबकि मासूम की गला घोंट कर हत्या किए जाने की आशंका है। हालांकि बड़ा बेटा दूसरे झोपड़ी में होने के कारण जान गंवाने से बच गया है। मिली जानकारी के मूल रूप से असोम के खुदरोफलादी थाना सरथे बारी जिला बरपेटा के रहने वाले शाहजहां खंडकर परिवार के साथ अयोध्या के बछड़ा सुलतानपुर निकट शिवपुरी कॉलोनी रेलवे लाइन के बगल में रहता था। शुक्रवार की रात उसका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था।

### आगरा की जामा मस्जिद में मांस फेंकने वाला पकड़ा, पिता का पैन कार्ड छोड़ा था वहीं

**आगरा.** आगरा की जामा मस्जिद में जानवर का कटा सिर रखने वाले नजरुद्दीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को देर रात तक नजरुद्दीन यही कहता रहा कि उसे किसी ने नहीं भेजा था। वह तो अपने पिता और भाइयों को फंसाना चाहता था। सिर के साथ पिता का पैनकार्ड भी छोड़कर आया था। वह कुछ छिपा तो नहीं रहा, आशंका के चलते रात तक आरोपी से पूछताछ जारी थी। घटना के बाद पुलिस यह मानकर चल रही थी कि बवाल कराने की साजिश है। जब आरोपी मुस्लिम निकला तो पुलिस हैरान रह गई। पुलिस को लगा इंतजामिया कमेटी को लेकर दो गुटों में चल रही तकरार इसकी वजह हो सकती है। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो उसने इस वजह से भी इनकार कर दिया। आरोपी बोला कि उसे तो अपने पिता और भाइयों को फंसाना था। पूरी संपत्ति पर कब्जा करके बैठे हैं। पिता का जूते का कारोबार है।

# राज्यपाल और राष्ट्रपति की सहमति के बिना लागू किए 10 एक्ट

- **तमिलनाडु ने बनाया इतिहास**

**चेन्नई.** तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए 10 विधेयकों (बिल) को बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति की औपचारिक सहमति के अधिनियम (एक्ट) के रूप में अधिसूचित कर दिया है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद उठाया गया, जिसमें इन विधेयकों को स्वतः स्वीकृत माना गया। यह भारत में पहली बार है जब किसी राज्य ने बिना राज्यपाल या राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के विधेयकों को लागू किया है। इसे राज्य सरकार की स्वायत्तता और संघीय ढांचे की जीत के रूप में देखा जा रहा है।

- **सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला**

सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 को तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजने को ₹असंवैधानिक₹ और ₹गैरकानूनी₹ करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय दिया कि राज्यपाल द्वारा दोबारा पारित विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजना संविधान के अनुच्छेद 200 का उल्लंघन है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा

कि विधानसभा द्वारा 18 नवम्बर 2023 को पुनः पारित विधेयकों को उसी दिन से राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त मान लिया जाएगा। ये विधेयक जनवरी 2020 से अगस्त 2023 के बीच राज्य विधानसभा द्वारा पारित किए गए थे। वे काफी समय से लंबित थे। कोर्ट ने कहा कि विधानसभा द्वारा दोबारा पारित किए गए विधेयकों पर राज्यपाल को तुरंत सहमति देनी थी, और राष्ट्रपति को भेजने का उनका कदम गलत था।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और आर. महादेवन की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का उपयोग करते हुए इन 10 विधेयकों को 18 नवंबर 2023 को स्वीकृत मान लिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति द्वारा इन विधेयकों पर की गई कोई भी कार्रवाई, जिसमें सात को अस्वीकार करना और दो पर विचार न करना शामिल है, कानूनी रूप से अमान्य है।

- **गवर्नर की कार्रवाई 'गैरकानूनी'**

तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह तर्क रखा कि राज्यपाल द्वारा दोबारा पारित बिलों को राष्ट्रपति के पास भेजना न केवल अवैध है बल्कि राज्य सरकार के अधिकारों में हस्तक्षेप भी है। कोर्ट ने यह स्वीकारते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्वारा बाद में किए गए सभी कार्य ₹non est in law₹ यानी कानून की दृष्टि से अस्तित्वहीन माने जाएंगे।

**क्या कहता है संविधान?**
संविधान के अनुसार, राज्य विधानसभा में पारित किसी विधेयक को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा जाता है। राज्यपाल उसे मंजूरी दे सकते हैं, अस्वीकार कर सकते हैं, या संशोधन के लिए लौटा सकते हैं। लेकिन यदि विधानसभा उसे दोबारा पारित करती है, तो राज्यपाल उस पर पुन: विचार करने या राष्ट्रपति को भेजने का अधिकार नहीं रखते– उन्हें अनिवार्य रूप से मंजूरी देनी होती है।

# मुंबई आतंकी हमले का दुबई कनेक्शन

- **इस शख्स को थी साजिश की पूरी जानकारी**
- **हैरान करने वाले खुलासे**

**नई दिल्ली.** मुंबई में आतंकी हमले को 17 साल बीत जाने के बाद मुख्य आरोपियों में से एक तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाया जा सका है। एनआईए को तहव्वुर राणा की 18 दिन की हिरासत मिली है। एनआईए राणा से पूछताछ कर रही है। रिपोर्ट्स की मानें तो तहव्वुर राणा मुंबई में हमले से पहले दुबई में एक शख्स से मिला था। उनसे मुंबई में आतंकी हमले के प्लान को लेकर उसे सब कुछ बताया था। एनआईए का मानना है कि तहव्वुर राणा से पूछताछ के बाद मुंबई आतंकी हमले के दुबई कनेक्शन के बारे में भी पता चल जाएगा।

मुंबई हमले से पहले रेकी करने वाले साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली की मदद करने वाला तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई कारोबारी है। अब यह पता लगाना है कि तहव्वुर राणा ने दुबई में किससे मुलाकात की थी। अमेरीकी एजेंसियों की तरफ से उपलब्ध करवाए गए दस्तावेजों के मुताबिक दुबई के शख्स को हमले के बारे में पूरी जानकारी थी। वह यह भी जानता है कि किसे किस काम में लगाया गया है।

एनआईए के सूत्रों की मानें तो हेडली यानी दाऊद गिलानी ने तहव्वुर राणा को 2008 में चेतावनी दी थी कि वह भारत की यात्रा ना करे। इसके बाद हेडली ने ही तहव्वुर राणा से दुबाई में एक शख्स से मुलाकात करवाई थी जिसे हमले के बारे में पूरी जानकारी थी। एनआईए यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या वह शख्स इंटर सर्विस इंटेलिजेंस, पाकिस्तानी सेना की खुफइया एजेंसी से भी जुड़ा हुआ था।

एनआईए ने इस शख्स की पहचान को गुप्त रखा है। राणा ने अमेरिका में भी पूछताछ के दौरान उस शख्स के बारे में बताया था। अब अमेरिका की वे सारी रिपोर्ट भारत के पास हैं। इसके अलावा राणा के नाम पर मुंबई में एक ऑफिस था जिसकी लीज को 2008 के बाद रिन्यू नहीं करवाया गया। जानकारी के मुताबिक हेडली इस ऑफिस का इस्तेमाल मुंबई में रेकी करने के लिए करता था। लश्कर ने हेडली को भारत भेजने का प्लान 2005 में ही बनाया था। इसकी जानकारी उसने तहव्वुर राणा को दी थी। हेडली ने राणा के बिजनेस का सहारा लेकर साजिश को अंजाम देने का प्लान बना लिया था।

# धूलभरी आंधी के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी

- **200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले**
- **कई घंटे तक फंसे रहे पैसेंजर्स**

**नई दिल्ली.** दिल्ली में शुक्रवार देर शाम चली धूलभरी आंधी की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स ऑपरेशन में देरी हुई। यह स्थिति शनिवार सुबह करीब 7 बजे तक बनी रही।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार देर शाम से शनिवार सुबह तक 205 से ज्यादा फ्लाइट्स टाइम से डिले हो गईं और 50 से ज्यादा फ्लाइट्स का रूट डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, अधिकतर फ्लाइट्स में औसतन एक घंटे की देरी हुई।

फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित

होने के चलते एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्री जमा हो गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यात्रियों को लंबा इंतजार और बार-बार चेकिंग जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद एयर इंडिया और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइनों ने X पर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की।

दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा, "खराब मौसम के कारण कुछ उड़ानों पर असर पड़ा है। यात्रियों से अनुरोध है कि अपनी संबंधित एयरलाइनों से उड़ानों की स्थिति की जानकारी लें।हमें हुई असुविधा के लिए खेद है।"

# राष्ट्रपति पर भी सुप्रीम कोर्ट सख्त

**कहा- राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो का अधिकार नहीं, तीन महीने में बिल पर फैसला अनिवार्य**

**नई दिल्ली.** अपनी तरह के पहले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने देश के राष्ट्रपति के लिए भी समय सीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा।

दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के मामले में ऐतिहासिक फैसला लिया था। अदालत ने कहा था कि राज्यपाल को विधानसभा की ओर से भेजे गए बिल पर एक महीने के भीतर फैसला लेना होगा। इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया।

शुक्रवार रात वेबसाइट पर अपलोड किए गए ऑर्डर में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 201 का हवाला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

राज्यपालों की ओर से भेजे गए बिल के मामले में राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो या पॉकेट वीटो का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और न्यायपालिका बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी।

**राज्यपालों के लिए भी समय सीमा तय की थी, कहा था- वीटो पावर नहीं**

8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के मामले पर गवर्नर के

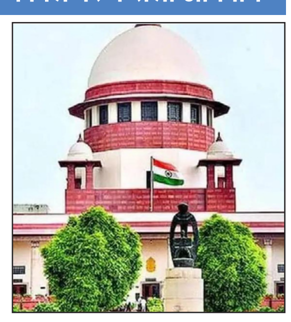

अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया। कोर्ट ने कहा कि यह मनमाना कदम है और कानून के नजरिए से सही नहीं। राज्यपाल को राज्य की विधानसभा को मदद और सलाह देनी चाहिए थी। अदालत ने कहा था कि विधानसभा से पास बिल पर राज्यपाल एक महीने के भीतर कदम उठाएं।

# पाकिस्तान में 5.8 तीव्रता का भूकंप

- **जम्मू-कश्मीर में भी कांपी धरती**
- **घरों से भागे लोग**

**इस्लामाबाद.** पाकिस्तान में शनिवार को दोपहर करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भी लोगों ने धरती में कंपन की शिकायत की। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई, जिसका केंद्र पाकिस्तान में 33.63 डिग्री उत्तर अक्षांश और 72.46 डिग्री पूर्व देशांतर पर 12 किलोमीटर की गहराई पर था।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप के जोरदार झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से निकलकर बाहर की ओर भागने लगे। अभी तक जान के नुकसान या संपत्ति को क्षति की कोई खबर नहीं है।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, दोपहर

करीब 12:31 बजे देश में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से 60 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में जमीन के 12 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप पंजाब के अटक, चकवाल, मियांवाली जिलों और आसपास के इलाकों में महसूस किया गया। भूकंप के झटके पेशावर, मर्दन, मोहमंद और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शबकदर में भी महसूस हुए। पाकिस्तान में अक्सर अलग-अलग तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। सबसे घातक भूकंप 2005 में आया था, जिसमें 74000 से अधिक लोग मारे गए थे।

# बंगाल में हिंसा, 3 मौतों की खबर 120 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

- **10 पुलिसकर्मी घायल**
- **भाजपा बोली- ममता राज्य को बांग्लादेश बनाना चाहतीं**

**कोलकाता.** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद सहित चार जिलों में वक्फ कानून के खिलाफ 11 अप्रैल को हुए हिंसक प्रदर्शन मामले में पुलिस ने अब तक 120 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें 70 लोगों को सूती से, 41 लोगों को शमशेरगंज से गिरफ्तार किया गया है।

वक्फ कानून के विरोध के दौरान शुक्रवार को मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना और मालदा में स्थिति बिगड़ी थी। प्रदर्शनकारियों ने NH-12 पर सरकारी बसों और

वाहनों में आग लगाई, पुलिस पर पथराव किया। सुइटी थाना क्षेत्र के साजूर क्रॉसिंग में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर क्रूड बम फेंके।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, उन पर आंसू गैर के गोले दागे। हमले में 10 पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदर्शन के दौरान 3 लोगों की मौत की खबर भी आई, लेकिन पुष्टि नहीं हो सकी। प्रदर्शन के कारण नेशनल हाईवे, रेल ट्रैफिक रोका गया था। साथ ही हंगामे वाले इलाकों में इंटरनेट भी बंद किया गया था।

मुर्शिदाबाद के अलावा डायमंड हार्बर के अमतला चौराहे पर भी प्रदर्शन कर रही मुस्लिम भीड़ ने दिनदहाड़े एक पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की थी। वेस्टर्न रेलवे ने बताया था कि अजीमगंज-न्यू फरक्का सेक्शन में दोपहर 2.46 बजे लगभग 5000 लोगों की भीड़ ने धुलियानगंगा स्टेशन के पास ट्रैक जाम कर दिया था।

स्थिति को कंट्रोल करने के लिए बीएसएफ की मदद ली गई। 12 घंटे बीतने के बाद शुक्रवार रात स्थिति सामान्य हुई। रेल और सड़क पर ट्रैफिक चालू किया गया। हालांकि शनिवार को भी इंटरनेट बंद रखा गया है। बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती भी की गई है।

# खराब बैटिंग के कारण CSK को मिली 5वीं हार

- **कोलकाता 59 गेंदें रहते जीत गया**
- **नरेन रहे प्लेयर ऑफ द मैच**

एमएस धोनी का कप्तानी करना भी चेन्नई सुपर किंग्स को हार से नहीं बचा सका। शुक्रवार को टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 8 विकेट से हरा दिया। चेपॉक स्टेडियम में पहले खेलते हुए CSK ने 9 विकेट खोकर 103 रन बनाए। KKR ने 10.1 ओवर में 2 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। यह CSK की लगातार 5वीं हार है।

कोलकाता से सुनील नरेन ने दोहरा प्रदर्शन किया। उन्होंने बॉलिंग करते हुए 13 रन देकर 3 विकेट लिए, फिर 18 ही गेंदों पर 44 रन की तेज पारी भी खेली। टीम से वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा ने भी 2-2 विकेट लिए। वैभव अरोड़ा और मोईन अली को 1-1 विकेट मिला।

मिडिल ओवर्स में बॉलिंग करने आए सुनील नरेन ने बेहद किफायती बॉलिंग की। उन्होंने 4 ओवर में महज 13 रन दिए और 3 विकेट झटक लिए। उन्होंने राहुल त्रिपाठी, रवींद्र जडेजा और एमएस धोनी को पवेलियन भेजा। फिर बैटिंग करते हुए नरेन ने महज 18 गेंद पर 5 छक्के लगाकर 44 रन की पारी खेल दी।

**जीत के हीरो**

**मोईन अली:** नई गेंद से बॉलिंग करने आए मोईन ने 4 ओवर में महज 20 रन दिए। उन्होंने डेवोन कॉन्वे को LBW भी किया।

**हर्षित राणा:** पावरप्ले में तीसरे बॉलर बनकर आए हर्षित ने महज 16 रन खर्च किए। उन्होंने रचिन रवींद्र और रवि अश्विन को कैच भी कराया।

**वरुण चक्रवर्ती:** मिडिल ओवर्स में चक्रवर्ती ने नरेन के साथ मिलकर CSK को बैकफुट पर धकेल दिया। उन्होंने विजय शंकर और दीपक हुड्डा को कैच कराया।

# पुलिस के सामने लहराई गईं तलवारें, करणी सेना का बड़ा प्रदर्शन

**आगरा.** राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा दिए गए विवादित बयान के विरोध में करणी सेना ने शनिवार को आगरा में बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए तलवारें लहराईं और सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनस्थली पर पुलिस के पहुंचते ही कार्यकर्ता उग्र हो गए। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सामने की नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों का आक्रोश भीड़ देखकर पुलिस को वापस लौटना पड़ा। प्रदर्शनकारियों में युवाओं के अलावा महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। इस सम्मेलन में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, संयुक्त करणी सेना संघ, संयुक्त क्षत्रिय संगठन संघ और संयुक्त सनातनी संगठन संघ सहित क्षत्रियों के कई संगठन शामिल हैं।

शक्ति प्रदर्शन के दौरान करणी

सेना के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के सामने छह मांगे भी रखी हैं। उनका कहना है कि सपा सांसद रामजीलाल सुमन की संसदीय सदस्यता समाप्त हो। कानूनी कार्रवाई हो। क्षत्रिय युवाओं पर संबंधित मामले में लगे सभी मुकदमे तत्काल वापस किए जाएं। राष्ट्र महापुरुष वीर योद्धा राणा सांगा जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। गौतम बुद्ध नगर में निर्माणाधीन एयरपोर्ट का नाम राणा सांगा के नाम पर रखा जाए। महापुरुष राणा सांगा का गौरवशाली इतिहास सभी शैक्षणिक संस्थानों के पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए। इसके अलावा इतिहास विक्रतिकरण को रोकने के लिए एक कठोर कानून को बनाए जाने की मांग की है।

सपा सांसद के घर बढ़ी सुरक्षा, सम्मेलन स्थल के आसपास भारी फोर्स तैनात

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के घर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सम्मेलन स्थल के आसपास भी भारी फोर्स तैनात है। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस, पीएसी और आरआरएफ को लगाया गया है। ड्रोन से नजर रखी जा रही है। कार्यक्रम स्थल से शहर तक आने वाले रास्ते पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर फोर्स तैनात है। नौ कंपनी पीएसी, दो कंपनी आरआरएफ के अलावा चार डीसीपी, तीन एडीसीपी, 12 एसीपी 21 थाना प्रभारी, 40 इंस्पेक्टर, 300 दरोगा, 2500 सिपाही सुरक्षा व्यवस्था में लगाए गए हैं।

# नेशनल हेराल्ड केस में ईडी का बड़ा ऐक्शन

- **कुर्क संपत्तियों पर कब्जा लेने के लिए नोटिस जारी**

**नई दिल्ली.** प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति पर कब्जे के लिए नोटिस जारी किया है, जिसे उसने कांग्रेस नियंत्रित 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (AJL) के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच में कुर्क किया था। संघीय जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि उसने शुक्रवार को दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित परिसर और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ मार्ग स्थित एजेएल बिल्डिंग पर ये नोटिस चस्पा किए हैं। नोटिस में परिसर खाली करने या मुंबई की संपत्ति के मामले में किराए को ईडी को सौंपने के लिए कहा गया है।

धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत

यह कार्रवाई की गई है, जो ईडी की ओर से कुर्क की गई और अथॉरिटी से पुष्टि की गई संपत्तियों पर कब्जे की प्रक्रिया का प्रावधान करता है। इन अचल संपत्तियों को ईडी ने नवंबर 2023 में कुर्क किया था। प्रवर्तन निदेशालय का मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला एजेएल और यंग इंडियन के खिलाफ है। नेशनल हेराल्ड एजेएल की ओर से प्रकाशित किया जाता है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' के पास है।

**सोनिया और राहुल गांधी का कैसे आया नाम**

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी 'यंग इंडियन' के प्रमुख शेयरधारक हैं और उनमें प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। ईडी का आरोप है कि यंग इंडियन और एजेएल की संपत्तियों का इस्तेमाल 18 करोड़ रुपये के फर्जी दान, 38 करोड़ रुपये के फर्जी अग्रिम किराए और 29 करोड़ रुपये के फर्जी विज्ञापनों के रूप में अपराध की आय अर्जित करने के लिए किया गया। बता दें कि नेशनल हेराल्ड अखबार 1938 में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने शुरू किया था। AJL की ओर से यह प्रकाशित होता था। 2010 में YIL नामक कंपनी बनी, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी की 38-38% हिस्सेदारी थी। आरोप है कि YIL ने AJL की 90 करोड़ रुपये की देनदारी को मात्र 50 लाख रुपये में हासिल कर लिया और AJL की संपत्तियों (जिनकी कीमत करोड़ों में थी) पर नियंत्रण कर लिया।

### सुखबीर बादल फिर बने अकाली दल के प्रधान

सुखबीर सिंह बादल एक बार फिर शिरोमणि अकाली दल (SAD) के प्रधान बन गए हैं। अमृतसर में गोल्डन टेंपल परिसर में बने तेजा सिंह समुद्री हॉल में पार्टी की बैठक में सर्वसम्मति के साथ इसका फैसला लिया गया। कार्यकारी प्रधान बलविंदर सिंह भूंदड़ ने इस दौरान उनके नाम को प्रपोज किया। इस चुनाव के लिए बादल के खिलाफ किसी ने भी अपना नाम प्रपोज नहीं किया। इसके बाद सर्वसम्मति के साथ सुखबीर बादल को प्रधान चुन लिया गया। अकाली नेता और इन चुनावों के लिए चुने गए रिटर्निंग ऑफिसर गुलजार सिंह रणिके ने बैठक के बीच बादल के नाम पर मोहर लगा दी। प्रधान चुने जाने के बाद सुखबीर बादल मीडिया के सामने आए। इस दौरान उन्होंने कहा, विरोधी पार्टियों ने क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान पहुंचाने के लिए तख्तों के जत्थेदारों को अपने पक्ष में कर लिया था और बागी गुट के नेता सत्ता के लालच में हैं।

**PUBLIC NOTICE**

This is to inform to the general public that my client intends to purchase property mentioned in the schedule herein below from PheruPessumalLulla (HUF) through its Karta Mr. PheruPessumalLulla.

**SCHEDULE OF PROPERTY**

All that piece and parcel of property known as Room No.288 (RCC) (Ground + 1st Floor + 2nd Floor + Terrace), situated in Block No.A-48, Ulhasnagar-1, Dist. Thane, area adm. about 174 Sq.Yards = 1566 Sq.ft. as per C.D., assessed under Municipal Ward No.12, New Property No.12BI015228000, hereinafter called the "Said Property".

That if any person/s, authority/ies has/have any kind of right, interest, share or any nature of claim over the above said property then same may be written / submitted to undersigned along with documentary evidence within

Fifteen Days from the date of publication of this notice and thereafter all objections shall be treated as null and void and my client shall be at liberty to finalize the said deal by executing necessary documents.

Sd/-
**B. R. Singh**
Advocate High Court
SaiSangam Apt., Flat No.304, 3rd Floor,
Behind Cablewala, Shantinagar, Ulhasnagar-421003

## संक्षेप...

### जिलाधिकारी ने किया अभिवादन

**ठाणे.** जिलाधिकारी अशोक शिनगारे ने जिलाधिकारी कार्यालय पर क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिराव फुले को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।साथ ही जिलाधिकारी शिनगारे ने महात्मा फुले की प्रतिमा पर हार फूल अर्पित किया।इस अवसर पर ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, निवासी उप जिलाधिकारी डॉ. संदीप माने सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी महात्मा फुले को पुष्प अर्पित किया।

# 'छत्रपति शिवाजी महाराज को महाराष्ट्र तक सीमित न रखें'

### अमित शाह का आह्वान

**मुंबई.** छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर रायगढ़ किला संवर्धन समिति की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया. कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने भी शिरकत की. इस दौरान अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया. सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कार्यक्रम को संबोधित किया, लेकिन अजित पवार ने भाषण नहीं दिया.

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज को सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित न रखें, वे पूरे देश की धरोहर हैं. उन्होंने कहा कि मैं यहां न तो भाषण देने आया हूं, न ही राजनीति करने. मैं यहां छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों से प्रेरणा लेने आया हूं. मुझे 'शिव मुद्रा' भेंट में प्राप्त हुई है, इस शिवमुद्रा का संदेश बहुत आदर्श संदेश है. जो न केवल भारत के लिए, बल्कि समस्त विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है.

अमित शाह ने कहा कि मैं वर्षों बाद यहां आया हूं, जब मैंने सिंहासन को नमन किया, तो मेरे मन में जो भावनाएं उमड़ीं, उन्हें शब्दों में पिरोना कठिन है. जिस महापुरुष ने स्वधर्म और स्वराज्य के लिए संघर्ष किया, उनके सान्निध्य में खड़ा होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है.

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि जब शिवाजी महाराज का जन्म हुआ, तब देश पर निराशा और भय का वातावरण था. दक्षिण भारत भी पतन की ओर बढ़ रहा था, ऐसे समय में स्वराज्य और स्वधर्म की बातें अपराध की तरह प्रतीत होती थीं, लेकिन एक 12 वर्षीय बालक ने सिंधु से कन्याकुमारी तक भगवा ध्वज लहराने का संकल्प लिया. उन्होंने कहा कि मैंने कई वीरों की जीवनगाथाएं पढ़ी हैं, लेकिन शिवाजी महाराज की असाधारण इच्छाशक्ति, रणनीति और जनता को एकत्र कर अपराजेय सेना का निर्माण अद्वितीय है. उन्होंने बिना वंश-परंपरा या संसाधनों के मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी थी. उनके मावले अटक, कटक, बंगाल और दक्षिण तक पहुंचे. तभी भारतवासियों को स्वतंत्रता की वास्तविक अनुभूति होने लगी थी.

अमित शाह ने कहा कि जो खुद को 'अलमगीर' कहता था, वह महाराष्ट्र में पराजित हुआ और उसकी समाधि भी आज यहीं है. ये शिवाजी महाराज के साहस और संकल्प की जीत है. उनका चरित्र सिर्फ एक क्षेत्र का नहीं, पूरे भारत का गौरव है. हर बच्चे को उनका इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज को सिर्फ महाराष्ट्र के दायरे में न बांधें. आज विश्व उनके सिद्धांतों से प्रेरणा ले रहा है. स्वधर्म का गर्व, स्वराज्य की आकांक्षा और अपनी भाषा का सम्मान किसी सीमा में नहीं बंधें, ये मानव स्वाभिमान के स्तंभ हैं.

# सैकड़ों शहरवासियों ने थामा शिवसेना उबाठा की 'मशाल'

- कल्याण जिल्हा प्रमुख के मार्गदर्शन तथा शहर प्रमुख के नेतृत्व में भव्य पक्ष प्रवेश

**उल्हासनगर.** विधानसभा चुनाव के बाद से ही शिवसेना उद्धवबाळासाहेब ठाकरे पक्ष प्रमुख के आदेश पर कल्याण लोकसभा सम्पर्क प्रमुख गुरुनाथ खोत के मार्गदर्शन व जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे के नेतृत्व मे पक्ष बांधनी जोर- शोर मे शुरु कर दिया गया है.दिवंगत शहर प्रमुख पिंकी भुल्लर के आकस्मिक निधन के बाद लगभग 6 महीनों तक रिक्त शहर प्रमुख पद पर कुलविन्दर सिंह बैस( बिंदर सेठ )की नियुक्ति के बाद से ही शिवसैनिको का मनोबल बढ़ गया.पार्टी को शीर्ष से शिखर तक ले जाने का प्रयास सभी पदाधिकारी कर रहे है.गुरूवार की शाम हुए सैकड़ो लोगो के पक्ष प्रवेश से सभी पार्टियों के नेताओ की नींद उड़ गयी है.

### सैकड़ो शहर वाशियों का शिवसेना मे प्रवेश.

गुरूवार को उल्हासनगर के कैम्प क्रमांक-3 स्थित शाहु महराज उड़ान पुल के समीप स्थित शिवसेना शाखा मे उपशहर प्रमुख भगवान मोहिते,विभाग प्रमुख दसरथ चौधरी,उपविभाग प्रमुख आदिनाथ पालवे ने कल्याण जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे,उपजिला संगठिका अंजली राउत,महानगर प्रमुख राधाचरण करोतिया,शहर प्रमुख कुलविन्दर सिंह बैस( बिंदर सेठ ),जिल्हा संगठिका जया कैलाश तेजी के उपस्थिति मे भव्य पक्ष प्रवेश का प्रोग्राम का आयोजन किया था.इस पक्ष प्रवेश मे उपशहर प्रमुख भगवान मोहिते,उपविभाग प्रमुख आदिनाथ पालवे के अथक प्रयास और महानगर प्रमुख राधचरण करोतिया के सानिध्य मे जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे ने सैकड़ो युवाओ,महिलाओ को मशाल का झंडा और मफलर पहनाकर पक्ष प्रवेश करवाया.इस अवसर पर उपजिल्हा प्रमुख राजेंद्र साहू,विधानसभा प्रमुख् शिवाजी जावले,संगठक कृष्णा पुजारी,उपशहर प्रमुख दिलीप मिश्रा,सुरेश पाटिल,राजू माने,सावंत मामा,पूर्व महापौर मालती करोतिया,उपविभाग प्रमुख अशोक जाधव,युवा सेना उप अधिकारी तनवीर सिंह भुल्लर,शाखा प्रमुख लतीश महाराज,माली सर,सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

### महंगाई से जूझ रहे हैं शहरवासी -बोड़ारे

भव्य पक्ष प्रवेश कार्यक्रम के बाद जिल्हा प्रमुख धनंजय बोड़ारे ने शिवसेना पदाधिकारी सहित शिवसैनिको को सम्बोधित करते हुए कहा की देश सहित महाराष्ट्र की हालत बद से बदतर होती जा रही है .शहर की महापालिका मे भ्रस्टाचार चरम सीमा पर है .शहर की जर्ज़र सड़को से उड़ती मिट्टी जानलेवा बनती जा रही है .शहर मे कचरों अम्बार लगा हुआ है .पानी के बिलो मे वृद्धि कर बढाकर जनता पर अतरिक्त बोझा लादा जा रहा है .वोट बैंक के लिए माताओ बहनो को रोजगार देने की बजाय सरकार ने लाड़ली बहन योजना शुरु कर ग्रहणी माताओ बहनो से छलावा कर रही है .गैस सिलेंडर से लेकर खान पान की चीजों पर प्रचंड महंगाई दस्तक दे रही है .बोड़ारे ने कहा की यदि यही चलता रहा तो महाराष्ट्र की भ्रस्ट सरकार को इसका खामियाजा महापालिका चुनाव मे भुगतना पड़ेगा .बोड़ारे ने कहा की यदि शिवसेना उद्धवबालसाहेब ढाकरे पक्ष सत्ता मे आता है तो शहर का चेहरा और मोहरा दोनो जरूर बदलेगा .इसलिए अभी से ही काम पर लगने का आदेश जिल्हा प्रमुख ने शिवसैनिको को दिया है .

# अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत ठाणे जिले में रेलवे स्टेशनों का परिवर्तन

**ठाणे.** भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र के कुल 132 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है।केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के जरिए देशभर के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं दी जाएंगी।राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव का आभार व्यक्त किया।इस योजना में ठाणे जिले के टिटवाला, शहाड़, दिवा और बेलापुर स्टेशन शामिल हैं। इससे इस क्षेत्र के यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।इस योजना से यात्रियों को स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और डिजिटल सुविधाएं जैसी आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा स्टेशनों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा तथा शहर के अनुकूल परिवहन प्रणाली विकसित की जाएगी।

**ठाणे जिले में पुनर्विकास के लिए चयनित स्टेशनों के नाम और इसके लिए धनराशि इस प्रकार है**

**टिटवाला स्टेशन :** 25 करोड़ रुपये

**शहाड स्टेशन :** 8 .4 करोड़ रुपये

**दिवा स्टेशन :** 45 करोड़ रुपये

**बेलापुर स्टेशन :** 32 करोड़ रुपये

इसके अतिरिक्त कल्याण डोंबिवली क्षेत्र में डोंबिवली स्टेशन भी इस योजना में शामिल है।

## राष्ट्रवादी कांग्रेस के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन

**भिवंडी.** विनायक कंपाउंड स्थित क्षत्रिय चाल क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ( अजित पवार गुट ) के भिवंडी शहर जिला उपाध्यक्ष विनोद मेगजी के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष प्रवीण पाटील के हाथों हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली।

प्रवीण पाटील की अगुवाई में शहर के विभिन्न हिस्सों में जनसंपर्क कार्यालय खोलने की मुहिम तेज हो गई है और पार्टी में नए प्रवेशकों का भी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इससे यह उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस ( अजित पवार गुट ) निर्णायक और प्रभावशाली भूमिका निभाएगी।

खास बात यह है कि इस बार पार्टी ने क्षत्रिय समाज को चुनाव में विशेष अवसर देने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में विनोद मेगजी को भिवंडी शहर उप जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपते हुए संभावित उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है। इस मौके ने विनोद मेगजी ने जनता से सीधे संपर्क साधने और शासन की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए कार्य शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया।

इस उद्घाटन समारोह में प्रवीण पाटील (भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष), जानवी हनुमान भोईर (युवती अध्यक्ष), याकूब शेख (अल्पसंख्यक अध्यक्ष), डॉ. संदीप सोनी (सेल्स अध्यक्ष), विनोद मेगजी (भिवंडी शहर उपाध्यक्ष), प्रकाश वड्डेपल्ली (भिवंडी शहर जिला दिव्यांग सेना प्रमुख) समेत अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

# भिवंडी ओलंपिक 2025 का रंगारंग शुभारंभ

- विधायक महेश चौगुले के कार्य सराहनीय - रवींद्र चव्हाण

**भिवंडी.** धोबीतालाब स्थित स्व. परशुराम टावरे स्टेडियम मे भाजपा विधायक महेश चौगुले द्वारा युवाओं की खेल प्रतिभा को नया आयाम देने के लिए आयोजित ₹भिवंडी ऑलिंपिक 2025₹ क्रीड़ा महोत्सव का भव्य उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश कार्याध्यक्ष रवींद्र चव्हाण द्वारा किया गया.उक्त मौके पर ओलंपिक खेल आयोजक भाजपा विधायक महेश चौगुले,भाजपा जिलाध्यक्ष एड हर्षल पाटिल,शिवसेना नेता संतोष शेट्टी,वरिष्ठ पार्षद नीलेश चौधरी,नारायण चौधरी,भाजपा वरिष्ठ नेता कृष्णा गाजेंगी,विकास बाफना,महासचिव राजू गाजेंगी,एड व्यंकटेश चिटकेन,रवि सावंत सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता,खेल प्रेमी सहित भारी संख्या में नागरिक मौजूद थे.

गौरतलब हो कि, स्व परशुराम टावरे स्टेडियम में 10 दिवसीय च ओलंपिक खेलों का जोरदार आगाज फटाखेबाजी से हुआ जिससे समूचा आसमान रंगारंग हो गया.विधायक महेश चौगुले द्वारा भिवंडी शहर सहित ग्रामीण एरिया के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए आयोजित भिवंडी ऑलिंपिक 2025 में क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, व्हॉलीबॉल जैसे टीम खेलों के साथ-साथ एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम जैसे प्रतिभा को बढ़ावा देने वाले खेलों को शामिल किया है.कुल 25 विभिन्न खेलों में हजारों युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो आने वाले 10 दिनों तक अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देंगे.विधायक महेश चौघुले ने अपने उद्बोधन में कहा, ₹भिवंडी ऑलिंपिक का उद्देश्य सिर्फ खेल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को संपूर्ण विकास की दिशा देना है।आगामी समय में भिवंडी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे.भाजपा प्रदेश कार्याध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रविंद्र चव्हाण ने युवाओं की खेल प्रतिभा को नया आयाम देने के जनहित कार्य में जुटे विधायक महेश चौगुले की जमकर सराहना की.

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह के अंतर्गत महिलाओं की सभा आयोजित

**ठाणे.** राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आम जनता को सूचित करने और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वंचित कमजोर वर्गों के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, ठाणे जिले के लिए 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक "भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह" कार्यक्रम सामाजिक न्याय भवन कलवा में सहायक समाज कल्याण आयुक्त कार्यालय के माध्यम से मनाया जा रहा है।भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह के एक भाग के रूप में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर सामाजिक समानता सप्ताह महिला सम्मेलन का आयोजन 12 अप्रैल सुबह 11.30 बजे किया जाएगा।समाज कल्याण विभाग की सहायक आयुक्त समाधान इंगले ने जिले की अधिक से अधिक महिलाओं से इस सभा में शामिल होने की अपील की है।

# हरियाली बढ़ाने और अस्थायी सिंचाई सुविधा देने के लिए दिया निर्देश

- मनपा आयुक्त सौरभ राव ने बरसात से पूर्व तैयारियों के संबंध में भी निर्देश दिए

**ठाणे.** भीषण गर्मी के कारण शहर के नागरिक परेशान हैं।वहीं मुख्य सिंग्गल पर धूप से बचाव के लिए हरे कलर का जालीदार नेट की व्यवस्था के साथ ही जगह जगह पीने के पानी की व्यवस्था मनपा ने किया है।इसका अच्छा प्रतिसाद नागरिकों का मिला है। इसलिए ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने लोक निर्माण विभाग और पर्यावरण विभाग को आवश्यकता के अनुसार इन दोनों सुविधाओं की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया है।ठाणे मनपा क्षेत्र के लिए गर्मी कार्य योजना तैयार की गई है।पिछले वर्ष से मनपा द्वारा गैर सरकारी संगठनों की मदद से अस्थायी पीने के पानी कार्य शुरू किया गया है।इस वर्ष भी ऐसी 25 सिंचाई योजनाएं शुरू की गई हैं। इसे नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है।इसलिए आयुक्त राव ने निर्देश दिए हैं कि स्वयंसेवी संगठनों और जनभागीदारी के माध्यम से इस संख्या को बढ़ाया जाए।वाहन चालकों को भीषण गर्मी से कुछ राहत पाने के लिए कई सिंग्गल पर जैसे तीन हात नाका, अलमेडा चौक,खोपट और नितिन कंपनी पर ग्रीन कवर की व्यवस्था की है। आयुक्त राव ने यह भी निर्देश दिया है कि ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में जिन स्थानों पर 60 सेकंड से अधिक का सिग्नल है, वहां पर ग्रीन कवर की व्यवस्था की जाए।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने मनपा मुख्यालय में आयोजित विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक में राज्य सरकार के 100 दिवसीय कार्यक्रम की प्रगति, भीषण गर्मी से निपटने के लिए किए गए उपायों, स्वच्छ सर्वेक्षण, ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन आदि की समीक्षा की।अरविंद पेंडसे सभागृह में आयोजित बैठक में अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी,अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, मनपा अभियंता प्रशांत सोनागरा, नगर नियोजन के सहायक संचालक संग्राम कनाडे, उपायुक्त मनीष जोशी, उमेश बिरारी, जी.जी. गोदापुरे, दिनेश तायडे, शंकर पटोले, सचिन सांगले, मधुकर बोडके, अनघा कदम, पद्मश्री बैनाडे सहित सभी विभाग प्रमुख उपस्थित थे। इस बैठक में आयुक्त राव ने गड्ढामुक्त ठाणे अभियान, मानसून सीजन की तैयारी में खतरनाक पेड़ों की शाखाओं की छंटाई, नाला सफाई कार्य के लिए निविदा प्रक्रिया और गड्ढामुक्त ठाणे अभियान की प्रगति की समीक्षा की। जिन क्षेत्रों में अक्सर गड्ढे होते हैं, उनका पहले ही निरीक्षण किया जाना चाहिए और वहां निवारक उपाय किए जाने चाहिए।ताकि नागरिकों को गड्ढों का सामना न करना पड़े।साथ ही आयुक्त राव ने स्पष्ट किया कि सभी एजेंसियों को समन्वय स्थापित करना चाहिए, जैसा कि पिछले वर्ष किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सड़क की खराब स्थिति के बारे में शिकायत प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर उसका समाधान किया जाए।


### जाहीर नोटीस

मी, श्रीमती माया दामोदरन नायर उर्फ माया अजयकुमार असे जाहीर करते की, उल्हासनगर महानगरपालिका हद्दीतील मौजे उल्हासनगर, ता. उल्हासनगर मधील ब्लॉक नं. सी 41, रूम 152 यावर बांधलेया, मीनाक्षी अपार्टमेंट इमारत मधील सदनिका नं. 103, पहिला मजला, क्षेफळ 1120 चौरस फूट बांधीव अशी आहे

हि प्रॉपर्टी मी, हि मिळकत मे. महान कंस्ट्रक्शन तर्फे विजय जाधवदास जशनानी यांचे कडून दिनाक ०१.०२.१९९६ रोजीचा करारनामा आणि दिनाक ०९.११.२००० रोजी श्रीमती माया दामोदरन नायर उर्फ माया अजयकुमार यांचे रजिस्टर घोषणापत्र दुय्यम निबंधक उल्हासनगर रजि नं. २९७६/२०००, दिनाक ०९.११.२००० असे ह्या प्रॉपर्टी चे मूळ दस्त कागदपत्रे कुठे तरी पडून गहाळ झाले आहेत जर कोणास वरील दस्तात कोणाचा कोणत्याही प्रकारचा हक्क, हितसंबंध असल्यास त्यांनी लेखी कागदपत्र, पुराव्यासहित हरकती सदरील नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून 7 दिवसाचे आत खालील पत्यावर, मोबाईल क्रमांकावर लेखी स्वरूपात संपर्क करावा अन्यथा 7 दिवसा नंतर आलेल्या हरकतीची दखल घेतली जाणार नाही यांची नोंद घ्यावी.

सही /-
**श्रीमती माया दामोदरन नायर**
उर्फ माया अजयकुमार

सही/-
**एड. वैभव शिरसाट**
मो.नं. 7744824818
पत्ता. ऋषी प्रसाद, शिव कॉलनी,
सी-45/165, शांतीनगर, उल्हासनगर


# साउथ फिल्मों की दुनिया का काला चिट्ठा

- एक्ट्रेस चाहत खन्ना का बड़ा खुलासा
- साउथ में कॉम्प्रोमाइज की बातें सरेआम होती हैं

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने हाल ही में साउथ इंडस्ट्री के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का काला चिट्ठा खोलते हुए कहा है कि वहां कॉन्ट्रैक्ट में साफ-साफ लिखा होता है कि एक्टर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर के साथ कॉम्प्रोमाइज करना होगा।

चाहत खन्ना ने इस बात का खुलासा हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान किया। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच पर खुलासा करते हुए बताया कि वहां काम करने से पहले ही कॉम्प्रोमाइज के बारे में पूछ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सारी चीजें वहां सरेआम होती हैं। कान्ट्रैक्ट साइन करने से पहले ऐसी बातें आपस में हो ही जाती है। कान्ट्रैक्ट में साफ लिखा होता है आपको कॉम्प्रोमाइज करना होगा।

चाहत खन्ना ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड में भी ऐसा होता है, लेकिन यहां के तरीके कुछ अलग है। यहां अलग तरीके से एक्ट्रेस से पूछा जाता है। जब भी कोई नया एक्टर आता है तो उन्हें इन सभी चीजों का सामना करना पड़ता है। हालांकि चाहत खन्ना कहती है कि उनके साथ कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ।

चाहत खन्ना अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें बचपन में मोलेस्ट किया जा चुका है। एक्ट्रेस ने कहा था- जब मैं बहुत छोटी थी, तब एक अंकल अपनी गोद में बिठाकर चॉकलेट देते हैं। तब इतनी समझ नहीं थी, दो साल साल के बाद मुझे रियलाइज हुआ मेरे साथ क्या हुआ था।

चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099